ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–०४
दिनांक- शुक्रवार, १३ जनवरी, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.6 एवं 6.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 75 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 1.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 11.8 एवं दोपहर में 20.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(14–18 जनवरी, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14–18 जनवरी, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 3–4 दिनों तक देर सुबह तक प्रचंड ठण्ड का प्रकोप बने रहने की संभावना है, हलॉकि दिन मे इसके सुधार होने का अनुमान है। उत्तर बिहार के जिलों में रात में मध्यम से घना कुहासा तथा सुबह में हल्का से मध्यम कुहासा छा सकता है।
- पूर्वानुमान की अवधि में अधिकतम तापमान के 13 से 16 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान में पूर्वानुमान की अवधि में गिरावट आ सकती है। यह तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- इस पूर्वानुमानित अवधि में लगातार पछिया हवा, 6 से 8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- वर्त्तमान मौसम आलु की फसल में पिछेती झुलसा रोग के फैलाव के लिए अनुकूल है। कृषक भाई फसल की नियमित रुप से निगरानी करें। इस रोग में फसलों की पत्तियों के किनारे व शिरे से झुलसना प्रारंभ होती है जिसके कारण पूरा पौधा झुलस जाता है। इसके बचाव हेतु 2.0 से 2.5 ग्राम इण्डोफिल एम0 45 फफूँदी नाशक दवा का प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें। इस छिड़काव के 8–10 दिनों बाद पुनः रीडोमिल दवा का 1.5 से 2.0 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर छिड़काव करें। कटवर्म या कजरा पिल्लू कीट का प्रकोप फसल में दिखनें पर बचाव के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2.5 से 3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पिछात बोयी गई गेहूँ की फसल में खर–पतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें। फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो 2.5 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 1.25 किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं 12.5 किलोग्राम युरिया को 500 लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- गेहूँ की फसल जो 40 से 50 दिनों की हो गई है तो उसमे दूसरी सिंचाई कर 30 किलोग्राम नेत्रजन का प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दे तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई0 सी0 2 लीटर प्रति एकड़ 20–25 किलोग्रम बालू में मिलाकर खेत में शाम को छिड़क दें एवं सिंचाई करें।
- मक्का की फसल जो 50 से 55 दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर 40 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ा दे।
- मिर्च की फसल में थ्रिप्स कीट की निगरानी करे। इसके शिशु/वयस्क कीट सैकड़ो की संख्या में पौधो की पत्तियो की निचली सतह पर छिपे रहते हैं और कभी–कभी उपरी सतह पर भी देखे जा सकते हैं। ये पत्तियो, कलियो व फूलो का रस चुसते है। यह कीट मिर्च में बांझी/विषाणु रोग फैलाता है। इससे बचाव हेतु इमिडक्लोप्रीड 17.8 ई0सी0 का 1 मि0ली0 या डायमेथोएट 30 ई0सी0 का 2 मि0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- अरहर की फसल जिसमें 50 प्रतिषत फूल आ गया हो उसमें फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा 1.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- चारे की फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद सिंचाई करें। सिंचाई के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेषन करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। मटर में नियमित रुप से फली छेदक कीट की निगराणी करें।
- विलम्ब से बोई गयी दलहनी फसल में 2 प्रतिषत यूरिया के घोल का छिड़काव एक सप्ताह के अन्तराल पर दो बार करें।
- तापमान में आई लगातार गिरावट को देखते हुए पशुपालक भाई दूधारु पशुओं के रख–रखाव एवं खान–पान पर विशेष ध्यान दें। हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ नियमित रुप से 50 ग्राम नमक, 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें। दुधारु पशुओं के दूध उत्पादन में आयी कमी को दूर करने के लिए नियमित रुप से कैल्सियम की सूई दिलायें अथवा तरल कैल्सियम खिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 19.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 8.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)